UKPSC RO/ARO (Mains)

Previous Year Paper
(Hindi Language)
09 Sept, 2022

Test Prime

ALL EXAMS,
ONE SUBSCRIPTION

40,000+
Mock Tests

Personalised
Report Card

Unlimited
Re-Attempt

500+
Exam Covered

Previous Year
Papers

500%
Refund

IBPS

NABARD

DOWNLOAD NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

No. of Printed Pages : 7

UOR-02

2022

हिन्दी भाषा

प्रश्न–पत्र – II

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

नोट :
(i) ***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
(ii) *प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।*
(iii) ***एक** प्रश्न के सभी भागों का उत्तर अनिवार्यतः एक साथ दिया जाए ।*
(iv) *पत्र लेखन सम्बन्धी प्रश्न के उत्तर में अपना नाम, पता तथा अनुक्रमांक न लिखें । यदि अनिवार्य हो तो क्ष, त्र, ज्ञ लिख सकते हैं ।*

1. सावधानीपूर्वक प्रश्नों को पढ़कर उत्तर दीजिए ।

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों से वाक्य निर्मित कीजिए : **5 × 1 = 5**

पृष्ठांकन, अनुबंध, संविदाजन्य, यादृच्छिक, समनुदेशन, प्राक्धारणा, परिसंघ, राज्याध्यक्ष

(ख) निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किन्हीं **पाँच** का अर्थ लिखते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए : **5 × 1 = 5**

(i) आटे दाल का भाव मालूम होना

(ii) गूँगे का गुड़

(iii) गाल बजाना

(iv) चाँदी का जूता

(v) होनहार बिरवान के होत चीकने पात

(vi) आए थे हरिभजन को ओटन लगे कपास

(vii) का बरखा जब कृषि सुखाने

(viii) चोर की दाढ़ी में तिनका

Adda247 GET IT ON Google Play

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का **एक-एक** पर्यायवाची शब्द लिखिए : $5 \times 1 = 5$

बिजली, मुक्ति, मछली, बर्फ, पत्ता, तालाब, तलवार, कुबेर

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के विलोम लिखिए : $5 \times 1 = 5$

ऊसर, पराभव, जंगम, जागृति, प्राचीन, जिजीविषा, सन्धि, दीर्घ

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **750** शब्दों में निबंध लिखिए : **40**

(i) नागरिकता संशोधन अधिनियम-2020 : सीमाएँ और संभावनाएँ

(ii) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का महत्त्व

(iii) आर्थिक मंदी का दुष्प्रभाव

(iv) पितृसत्ता और स्त्री अनुकूलन

(v) उत्तर-सत्ययुग का निहितार्थ

3. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए तथा मूल गद्यांश की शब्द संख्या के **एक-तिहाई** में सारांश तैयार कीजिए : $5 + 15 = 20$

आर्थिक आधार में आने वाला बदलाव देर-सबेर समग्र विशाल अधिरचना के रूपांतरण का मार्ग प्रशस्त करता है । इस प्रकार के रूपांतरण का अध्ययन करते हुए यह हमेशा जरूरी होता है कि प्राकृतिक विज्ञान की सुस्पष्टता के साथ निर्धारित की जा सकने वाली उत्पादन की आर्थिक स्थितियों के यांत्रिक रूपांतरण और वैधानिक, राजनीतिक, धार्मिक, कलात्मक या दार्शनिक रूपों, संक्षेप में वैचारिक रूप के बीच विभेद करना जरूरी है । इन वैचारिक रूपों में इस संघर्ष को लेकर लोग सचेत हो जाते हैं और निर्णायक परिणाम को लेकर संघर्ष करते हैं ।

उक्त अवधारणा के कई निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं । पहला तो यह कि संरचना और अधिरचना के बीच का संबंध प्रकृति में ही द्वंद्वात्मक होता है और यह इतना दुर्बल नहीं होता है कि दूसरे के द्वारा एकात्मक रूप से निर्धारित हो पाए । दूसरा यह कि जिस वैज्ञानिक पद्धति से 'उत्पादन की आर्थिक स्थितियों' का बहुत ही सूक्ष्मता के साथ हम विश्लेषण कर सकते हैं, वह पद्धति हमें 'वैचारिक रूपों' की समान रूप से समझ प्रदान नहीं करती है । इसके लिए हमें अधिरचना के पूरक किन्तु कुछ भिन्न प्रकार के विज्ञान की जरूरत है । तीसरी बात यह है कि 'वैचारिक रूप' बहुत सारे हैं और ये एक दूसरे को आच्छादित करते हैं । किन्तु तुलनात्मक रूप से इनका स्वायत्त इतिहास है ।

Adda247 GET IT ON Google Play

बुर्जुआ योरोप की वैधानिक अधिरचना न सिर्फ इसके वर्तमान पूँजीवाद का प्रतिनिधित्व करती है अपितु यह संस्तरणों पर – अत्यधिक तलछटी नींव पर टिकी हुई है । यह नींव कैथोलिक चर्च के कैनन कानूनों और पुराने रोमन साम्राज्य के कानूनों तक पुरानी है । कैथोलिक इटली के लिए जो धार्मिक अधिरचना की विशिष्टता है, वह एंगलिकन ब्रिटेन या वहाबी इस्लाम के साउदी संस्करण के लिए वैसी ही नहीं है । इनमें से प्रत्येक की धार्मिक अधिरचना की अपनी ऐतिहासिकता और स्थूलता है । सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि जब कभी आधारभूत कारक और संकट उत्पादन शक्तियों और संबंधों में क्रांतिकारी रूपांतरण के उभार की संभावनाओं को पैदा करते हैं, तो ये दूसरे वैचारिक रूप ही होते हैं जिनमें लोग इस संघर्ष को लेकर सचेत हो जाते हैं और निर्णायक परिणाम को लेकर संघर्ष करते हैं ।

4. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) 'वह पढ़ता होगा ।' वाक्य किस काल का बोधक है ?

(ii) जिसमें काम के भूतकाल में जारी रहने का पता चलता है, तो वह काल क्या कहलाता है ?

(iii) 'शायद वह चला जाए ।' वाक्य किस काल का बोधक है ?

(iv) आसन्न भूत किसे कहते हैं ?

(v) 'यदि वर्षा होती, तो खेती नहीं सूखती ।' वाक्य में कौन सा काल है ?

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) जिस वाक्य में कर्ता या कर्म की प्रधानता न होकर क्रिया का भाव प्रमुख हो, उसे कौन सा वाच्य कहते हैं ?

(ii) 'क्या आप दिल्ली जायेंगे ?' वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए ।

(iii) विवशता, असमर्थता व्यक्त करने के लिए किस वाच्य का प्रयोग होता है ?

(iv) 'रमेश से नहाया गया ।' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए ।

(v) कर्मवाच्य किसे कहते हैं ?

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष कथन में बदलिए : $5 \times 1 = 5$

(i) उसने रमेश से कहा, "आज मैं सिनेमा देखने जाऊँगा ।"

(ii) डॉक्टर ने रोगी से कहा, "आप कोरोना वायरस से संक्रमित हैं ।"

(iii) जावेद ने सोहन को ईद पर आने का न्योता दिया ।

(iv) पिता ने अपनी संतान को मिल-जुलकर रहने की सलाह दी ।

(v) मैंने उससे कहा, "तुम बाजार कैसे जाते हो ?"

Adda247 GET IT ON Google Play

(घ) निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार सरल, संयुक्त एवं मिश्र वाक्यों में बदलिए : $5 \times 1 = 5$

(i) यद्यपि वह पंडित है, फिर भी हठी है । (मिश्र वाक्य से संयुक्त वाक्य)

(ii) जब विपत्ति आती है, तब पराये की कौन कहे, अपने भी साथ छोड़ देते हैं । (संयुक्त वाक्य से सरल वाक्य)

(iii) अपनी पराजय कोई नहीं चाहता । (निषेधात्मक वाक्य से प्रश्नवाचक वाक्य)

(iv) अपना बेटा किसे प्यारा नहीं है ? (प्रश्नवाचक वाक्य से स्वीकृतिवाचक वाक्य)

(v) परीक्षा समाप्त होते ही छात्र छात्रावास की कारा से मुक्त हुए । (सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य)

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में किस प्रकार की त्रुटियाँ हैं ? तथा शुद्ध करके लिखिए : $5 \times 1 = 5$

(i) राम और सीता आयी थी ।

(ii) हंगामा होते ही पुलिस आ गया ।

(iii) मेरे लिए पढ़ता हूँ ।

(iv) मैं गाने की कसरत कर रहा हूँ ।

(v) यह बात कोई को मत कहना ।

(च) निम्नलिखित वाक्यों में प्रासंगिक वाक्यांश छाँटकर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

(i) यह ऐसी घटना है, जिस पर मुझे शर्म आ रही है ।

(ii) वे सारे मेहमान, जो जल्दी में थे, चले गए हैं ।

(iii) मेरा भाँजा जो केवल देखने में सुंदर है, मिस्टर यूनिवर्सिटी में भाग ले रहा है ।

(iv) कक्षा में वैसे विद्यार्थी जिन्हें पढ़ने में कोई रुचि नहीं है, कल से कक्षा का बहिष्कार करने वाले हैं ।

(v) वह कर्मचारी जिसने रिश्वत ली है, पकड़ लिया गया ।

(छ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) 'चलना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है ।' वाक्य में क्रियार्थक संज्ञा क्या है ?

(ii) 'मैच खेलना है ।' वाक्य में 'खेलना' शब्द का प्रयोग किस रूप में हुआ है ?

(iii) 'सूरज निकलते ही वे लोग भागे ।' वाक्य में कौन सा कृदन्त है ?

(iv) धातु में कौन सा प्रत्यय जोड़ने से क्रियात्मक संज्ञा बनती है ?

(v) क्रियार्थक संज्ञा का प्रयोग साधारणतः किस संज्ञा के समान होता है ?

Adda247 GET IT ON Google Play

(ज) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) 'हाथी' शब्द में कौन सा लिंग है ?

(ii) 'साँस' शब्द में कौन सा लिंग है ?

(iii) 'दही' शब्द में कौन सा लिंग है ?

(iv) जिन संज्ञाओं के अंत में 'त' हो, वे प्रायः कौन से लिंग होते हैं ?

(v) इकारांत, ईकारांत तथा ऊकारांत संज्ञाएँ प्रायः कौन से लिंग होते हैं ?

(झ) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति पूर्वसर्गों से कीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) मनुष्य अपने एकांत क्षण पुस्तकों _____ साथ-साथ गुजार सकता है ।

(ii) 'कुरुक्षेत्र' युद्ध और शांति की समस्या _____ आधारित है ।

(iii) विद्या ग्रहण करने के मार्ग _____ अनेक बाधाएँ सामने आती हैं ।

(iv) हमारा वर्तमान भारत रामायण और महाभारत के संस्कारों _____ बना है ।

(v) अनुशासन भाषण से नहीं, आचरण _____ आता है ।

(ञ) निम्नलिखित सशर्त वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति संयोजकों से कीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) _____ छुट्टियाँ हुईं, _____ हम कश्मीर अवश्य जाएँगे ।

(ii) _____ वर्षा होती _____ फसल अच्छी होती ।

(iii) _____ तुम रहते हो, _____ भी वहीं रहता हूँ ।

(iv) _____ वही आदमी है, _____ कल चोरी की थी ।

(v) _____ मेहनत करता है, _____ अवश्य सफलता मिलती है ।

5. निम्नलिखित हिन्दी गद्यांश का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

समय ही जीवन है । जीवन क्या है ? जीने का कुछ वक्त । मृत्यु के बाद तो समय का कोई अर्थ नहीं रह जाता । अतः समय सबसे मूल्यवान् है । धन और परमात्मा से भी अधिक मूल्यवान् । समय रहा तो धन और परमात्मा पाए जा सकते हैं । किन्तु धन और परमात्मा के प्रयास करने पर भी दिन के चौबीस घंटों में एक मिनट भी नहीं बढ़ाया जा सकता । अतः समय अधिक मूल्यवान् है । बीते हुए समय को वापस नहीं लाया जा सकता ।

Adda247 GET IT ON Google Play

समय के प्रति सचेत तथा गम्भीर रहना समय का सबसे बड़ा सम्मान है । जो व्यक्ति समय का सम्मान नहीं करते, समय उनका सम्मान नहीं करता । समय के पाबंद रहकर समय की बचत की जा सकती है । अधिकांश लोगों का काफी समय देरी और प्रतीक्षा के कारण व्यर्थ हो जाता है । समय की पाबंदी अपनाकर इसे रोका जा सकता है । राष्ट्रपिता गाँधीजी समय के पाबंद थे । वे एक मिनट की देरी को भी देरी मानते थे । आजकल विवाह आदि जैसे घरेलू कार्यों में वक्त की जितनी बर्बादी होती है, वह चिंता का विषय है ।

जीवन में सफलता पाने के लिए समय की अनुकूलता का होना आवश्यक है । यदि समय अनुकूल न हो तो मनुष्य के सारे प्रयत्न निष्फल हो जाते हैं । दूसरी ओर, समय अनुकूल हो तो सफलता के द्वार अपने आप खुलते चले जाते हैं । सफलता के अवसर आने पर भी आवश्यक है कि मनुष्य समय का उपयोग कुशलता से करे । जैसे क्रिकेट खिलाड़ी के शॉट मे सही 'टाइमिंग' का होना आवश्यक है, फुटबॉल की किक और हैड में भी ठीक 'टाइमिंग' का होना आवश्यक है, इसी प्रकार अवसर पर उपयुक्त कार्य कर लेना आवश्यक है । पढ़ाई के वक्त पढ़ाई, खेल के समय खेल, शादी के समय मौज और गृहस्थी के समय जिम्मेदारी – ये सब वक्त पर ही अच्छे लगते हैं । जो व्यक्ति ऐसा नहीं करता, वह वक्त के थपेड़े खाता रहता है । अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत ।

6. (क) अर्धसरकारी पत्र का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए, उसका एक प्रारूप तैयार कीजिए । **5 + 10 = 15**

(ख) परिपत्र से क्या आशय है ? परिपत्र का एक प्रारूप तैयार कीजिए । **5 + 10 = 15**

7. युवावस्था मानव-जीवन का वसन्त काल है । उसे पाकर मनुष्य मतवाला हो जाता है । हजारों बोतल का नशा छा जाता है । विधाता की दी गई सारी शक्तियाँ सहस्र धार होकर फूट पड़ती हैं । मदांध मातंग की तरह निरंकुश, वर्षाकालीन शोणभद्र की तरह दुर्द्धर्ष, प्रलयकालीन प्रबल प्रभंजन की तरह प्रचंड, नवागत वसन्त की प्रथम मल्लिका कलिका की तरह कोमल, ज्वालामुखी की तरह उच्छृंखल और भैरवी संगीत की तरह मधुर युवावस्था है । उज्ज्वल प्रभात की शोभा, स्निग्ध संध्या की छटा, शरच्चन्द्रिका की माधुरी, ग्रीष्म मध्याह्न का उत्ताप और भाद्रपदी अमावस्या के अर्धरात्रि की भीषणता युवावस्था में सन्निहित है । जैसे क्रांतिकारी की जेब में बमगोला, षड्यंत्री की असती में भरा-भराया तमंचा, रण-रस-रसिक वीर के हाथ में खड्ग, वैसे ही मनुष्य की देह में युवावस्था । सोलह से पच्चीस वर्ष तक हाड़ चाम के संदूक में संसार भर के हाहाकारों में समेटकर विधाता बन्द कर देता । दस बरस तक यह झाँझरी नैया मझधार तूफान में डगमगाती रहती है । युवावस्था देखने में तो शस्यश्यामला वसुन्धरा से भी सुन्दर है, पर इसके अन्दर भूकम्प की-सी भयंकरता भरी हुई है ।

Adda247 GET IT ON Google Play

युवावस्था में मनुष्य के लिए केवल दो ही मार्ग हैं – वह चढ़ सकता है, उन्नति के सर्वोच्च शिखर पर; वह गिर सकता है अधःपतन के अँधेरे खन्दक में । चाहे तो त्यागी हो सकता है युवक, चाहे तो विलासी बन सकता है युवक । वह देवता बन सकता है । वह संसार को त्रस्त कर सकता है, वही संसार को अभयदान दे सकता है ।

संसार में युवक का ही साम्राज्य है । युवक के कीर्तिमान से संसार का इतिहास भरा पड़ा है । युवक ही रणचंडी के ललाट की रेखा है । युवक स्वदेश की यश-दुंदुभि का तुमुल निनाद है । युवक ही स्वदेश की विजय-वैजन्ती का सुदृढ़ी दंड है । वह महासागर की उत्ताल तरंगों के समान उद्दंड है । वह महाभारत के भीष्मपर्व की पहली ललकार के समान विकराल है, प्रथम मिलन के स्फीत चुम्बन की तरह सरस है, रावण के अहंकार की तरह दृढ़ और अटल है ।

अगर किसी विशाल हृदय की आवश्यकता है, तो युवकों के हृदय टटोलो । अगर किसी आत्मत्यागी वीर की चाह हो, तो युवकों से माँगो । रसिकता उसी के बाँटे पड़ी है । भावुकता पर उसी का सिक्का है । वह छन्दशास्त्र से अनभिज्ञ होने पर भी प्रतिभाशाली कवि है । वह रसों की परिभाषा नहीं जानता, पर वह कविता का सच्चा मर्मज्ञ है । सृष्टि की विषम समस्या है युवक । ईश्वरीय रचना कौशल का एक उत्कृष्ट नमूना है युवक । विचित्र है उसका जीवन, अद्भुत है उसका साहस ।

संसार के इतिहास के पन्ने खोलकर देख लो, युवक के रक्त से लिखे हुए अमर संदेश भरे पड़े हैं । सच्चा युवक देश के लिए बिना झिझक के मृत्यु का आलिंगन करता है । बेड़ियों की झनकार पर राष्ट्रीय गान गाता है और फाँसी के तख्ते पर अट्टहासपूर्वक आरूढ़ हो जाता है ।

हे युवक ! तू क्यों गफलत की नींद में पड़ा बेखबर सो रहा है ? उठ, आँखें खोल, देख प्राची दिशा का ललाट सिन्दूर-रंजित हो उठा । अब अधिक मत सो । सोना हो तो अनन्त निद्रा की गोद में जाकर सो रह । कापुरुषता के क्रोड़ में क्यों सोता है ? माया-मोह ममता त्याग कर गरज उठ ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के रेखांकित शब्दों के अर्थ लिखिए । **5**

(ख) उपर्युक्त गद्यांश का सार (केवल एक अनुच्छेद में) लिखिए, जो पाठ के **एक-तिहाई** अंश से अधिक न हो । **15**